

॥ देव्या आरात्रिकम् ॥

.. devyA ArAtrikam ..

sanskritdocuments.org

August 20, 2017

---

.. devyA ArAtrikam ..

॥ देव्या आरात्रिकम् ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : devyAArAtrikam  
File name : devyAArAtrikam.itx  
Category : AratI, devii  
Location : doc\_devii  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : anonymous456an at gmail.com  
Proofread by : anonymous456an at gmail.com  
Description/comments : Sanskrit Arati  
Latest update : June 16, 2017  
Send corrections to : sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

---


**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

August 20, 2017

*sanskritdocuments.org*

---



॥ देव्या आरात्रिकम् ॥

हरि ॐ

जय देवि जय देवि जय मोहनरूपे ।  
मामिह जननि समुद्धर पतितं भवकूपे ॥ ध्रुवपदम् ॥

प्रवरातीरनिवासिनि निगमप्रतिपाद्ये  
पारावारविहारिणि नारायणि हृद्ये ।  
प्रपञ्चसारे जगदाधारे श्रीविद्ये  
प्रपन्नपालननिरते मुनिवृन्दाराध्ये ॥ १ ॥

जय देवि जय देवि जय मोहनरूपे ।  
मामिह जननि समुद्धर पतितं भवकूपे ॥

दिव्यसुधाकरवदने कुन्दोज्ज्वलरदने  
पदनखनिर्जितमदने मधुकैटभकदने ।  
विकसितपञ्कजनयने पन्नगपतिशयने  
खगपतिवहने गहने सङ्कटवनदहने ॥ २ ॥

जय देवि जय देवि जय मोहनरूपे ।  
मामिह जननि समुद्धर पतितं भवकूपे ॥

मञ्जीराङ्कितचरणे मणिमुक्ताभरणे  
कङ्कुकिवस्त्रावरणे वक्राम्बुजधरणे ।  
शक्रामयभयहरणे भूसुरसुखकरणे  
करूणां कुरू मे शरणे गजनक्रोद्धरणे ॥ ३ ॥

जय देवि जय देवि जय मोहनरूपे ।  
मामिह जननि समुद्धर पतितं भवकूपे ॥

छित्त्वा राहुग्रीवां पासि त्वं विबुधान्  
ददासि मृत्युमनिष्टं पीयूषं विबुधान् ।  
विहरसि दानवऋद्धान् समरे संसिद्धान्  
मध्वमुनीश्वरवदे पालय संसिद्धान् ॥ ४ ॥

जय देवि जय देवि जय मोहनरूपे ।  
मामिह जननि समुद्धर पतितं भवकूपे ॥

॥ इति देव्या आरात्रिकं समाप्तम् ॥

Encoded and proofread by anonymous456an at gmail.com

—  
.. devyA ArAtrikam ..

Searchable pdf was typeset using XeTeXgenerateactualtext feature of Xe<sub>La</sub>TeX 0.99996

on August 20, 2017

—  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

